Skill Development Programme

For Answer Writing

Geography (Model Answer)

DATE : 12 Sep, 2018 **TIME : 03:30 pm**

मुख्य परीक्षा

प्रश्न- मानसून से आप क्या समझते हैं? यह कैसे उत्पन्न होता है? ग्रीष्मकाल में उत्पन्न दक्षिण-पश्चिम मानसून का विस्तार से वर्णन करें। **(250 शब्द, 15 अंक)**

What do you understand by Monsoon? How does it originate? Briefly describe the South-West Monsoon orginated in summer season. **(250 Words, 15 Marks)**

MODEL ANSWER

मुख्य बिन्दु-

- भूमिका में सर्वप्रथम मानसून को बताएँ।
- अगले पैरा में इसकी उत्पत्ति को बताएँ।
- फिर अगले पैरा में दक्षिण-पश्चिम मानसून की प्रमुख शाखाओं (बंगाल की खाड़ी एवं अरब सागर) को स्पष्ट करें।
- अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष दें।

उत्तर- मानसून का तात्पर्य, सूर्य के भ्रामक उत्तरायण और दक्षिणायन में दाब केंद्रों से होने वाले दोलन से है, जिसके परिणामस्वरूप मौसमी व्युत्क्रम उत्पन्न होता है।

दक्षिण-पश्चिम अर्थात् ग्रीष्मकालीन मानसून की उत्पत्ति सूर्य के उत्तरायण होने से प्राप्त होती है। अंतर उष्णकटिबंधीय अभिसरण क्षेत्र (ITCZ) के क्रमिक विस्थापन से दक्षिण-पूर्वी व्यापारिक पवनें विषुवत रेखा को पार करती हैं। तिब्बत के पठार पर निर्मित निम्नदाब से वायु का उत्थान 10 से 12 किमी. पर एवं वायु का बाह्य प्रवाह कायम होता है, जिसकी एक धारा ध्रुवों की ओर तो दूसरी अरब सागर की ओर और तीसरी उत्तर-पूर्वी भारत एवं बंगाल की खाड़ी की ओर फैलती है, जिसका कोरियोलिस प्रभाव से दाहिनी ओर विस्थापन होता है एवं पूर्वी जेटधारा के रूप में एक नए संचरण का निर्माण होता है, जो विन्ध्य एवं शिवालिक के मध्य दोलन (ऑक्सिलेट या Swling) करता है। यह पूर्वी जेट सोमालिया के ऊपर क्षीण होकर अवतलित हो जाता है, जहाँ उच्चदाब का विकास होता है। उपमहाद्वीप के पश्चिमोत्तर भाग में निम्नदाब का बनना जिससे पवनें ग्रीष्मकाल में अफ्रीका के पूर्वी तट से टकराकर भारतीय उपमहाद्वीप की ओर चलने लगती हैं।

इसके अतिरिक्त कोरियोलिस बल, व्यापारिक पवनें इत्यादि भी अहम भूमिका निभाते हैं। दक्षिण-पश्चिम मानूसन भारतीय उपमहाद्वीप से टकराकर दो भागों में बँट जाता है।

- **अरब सागर की शाखा :** यह पश्चिमी से तिर्यक होता है एवं यह अरावली के समानान्तर उत्तर में पंजाब हिमालय से टकराकर जम्मू, हिल्स पर वर्षा करती है एवं आगे चलकर यह बंगाल की खाड़ी की शाखा में मिल जाती है।
- **बंगाल की खाड़ी शाखा :** यह तमिलनाडु एवं कोरोमण्डल के समान्तर है। यह बंगाल की खाड़ी से अधिक आर्द्रता को बढ़ाती है तथा अराकान योमा से टकराकर पूर्वोत्तर क्षेत्र में औसत 200-250 सेमी. वर्षा कराती है और यह खासी (मेघालय) के कीपनुमा घाटियों में प्रवेश कर मासिनराम एवं चेरापूँजी में सघन वर्षा (1100 सेमी.) कराती है।

अत: हम कह सकते हैं कि मानसून भारत के लिए जीवन रखा की तरह है।

* * *